

वकिसति भारत को पुनः परभाषति करना

यह एडिटरियल 28/12/2023 को 'द हट्टि' में प्रकाशित [“The quest for ‘happiness’ in the Viksit Bharat odyssey”](#) लेख पर आधारित है। इसमें विकास के खुशहाली-प्रेरति मॉडल की अवधारणा के बारे में चर्चा की गई है और तर्क दिया गया है कि केवल आर्थिक विकास प्राप्त करना ही विकास का वास्तविक अर्थ नहीं है।

प्रलमिस के लयि:

[वज़िन इंडिया@2047](#), [मानव विकास सूचकांक](#), [वशिव बैंक का हरति सूचकांक](#), [नरिधनता सूचकांक](#), [लैंगिक समानता सूचकांक](#), [वशिव प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक](#)।

मेन्स के लयि:

वज़िन इंडिया@2047, वकिसति भारत के पहलू, आर्थिक विकास से परे भारत के विकास के लयि मुख्य वचिर, भारत के लयि खुशी-प्रेरति विकास मॉडल का महत्त्व, विकास के साथ खुशी-प्रेरति विकास मॉडल को शामिल करने का तरीका।

‘वकिसति भारत’ (Viksit Bharat) का औपचारिक शुभारंभ एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष, यानी **वर्ष 2047 तक भारत को वकिसति** राष्ट्र की श्रेणी में लाने की संभावना वास्तव में मनोरम है। देश की तीव्र प्रगति को देखते हुए इस महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार कर सकना संभव नज़र आता है। यह कषण इच्छति विकास की अवधारणा (concept of intended development) का मूल्यांकन करने का भी अवसर प्रदान करता है। विकास प्राथमिकताओं और फोकस क्षेत्र का चयन जटिल और महत्त्वपूर्ण, दोनों हैं।

‘वकिसति भारत’ के तहत आर्थिक विकास पर अत्यधिक बल दिया गया है। हालाँकि, उत्तर-विकासवादियों (post-developmentalists) का तर्क है कि यह दृष्टिकोण विकास के यूरो-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

विकास का यूरो-केंद्रित दृष्टिकोण:

- ‘विकास का यूरो-केंद्रित दृष्टिकोण’ (Euro-centric View of Development) शब्दावली यूरोपीय या पश्चिमी दृष्टिकोण के आसपास केंद्रित विकास को समझने और उसका मूल्यांकन करने के दृष्टिकोण को संदर्भित करती है। यह परंपरिक ऐतिहासिक रूप से आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास संबंधी चर्चा पर हावी रहा है, जहाँ प्रायः यूरोपीय समाजों के अनुभवों एवं उपलब्धियों को प्रगति के मानक या आदर्श के रूप में रखा जाता है।
- इसकी आलोचना होती रही है क्योंकि यह विकास के प्राथमिक मापकों के रूप में **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** और औद्योगिकरण जैसे पारंपरिक आर्थिक संकेतकों का उपयोग करता है।

वज़िन इंडिया@2047:

- वज़िन इंडिया@2047 (Vision India@2047)** अगले 25 वर्षों में भारत के विकास का खाका तैयार करने के लयि भारत के शीर्ष नीतिथिक टैंक **नीतिआयोग (NITI Aayog)** द्वारा शुरू की गई एक परियोजना है।
- परियोजना का लक्ष्य भारत को नवाचार एवं प्रौद्योगिकी में वैश्विक अग्रणी देश, मानव विकास एवं सामाजिक कल्याण का मॉडल और पर्यावरणीय संवहनीयता का चैंपियन या उत्साही पक्ष-समर्थक बनाना है।

‘वकिसति भारत’ के वभिन्न पहलू कौन-से हैं?

- संरचनात्मक रूपांतरण:** यह नमिन उत्पादकता वाले क्षेत्रों (जैसे कृषि) से उच्च उत्पादकता वाले क्षेत्रों (जैसे वनरिमाण एवं सेवाएँ) की ओर संसाधनों के संक्रमण को संदर्भित करता है। इससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मलि सकता है, रोजगार सृजति हो सकते हैं और गरीबी कम हो सकती है।

- **श्रम बाजारों का नरिमाण:** इसमें श्रम आपूर्तिकी गुणवत्ता एवं मात्रा में सुधार लाना, श्रमिकों के कौशल एवं रोजगार योग्यता को बढ़ाना और नषिपक्ष एवं कुशल श्रम नयिर्मों को सुनशिचति करना शामिल है। इससे श्रम उत्पादकता बढ़ सकती है, अनौपचारिकता कम हो सकती है और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा मलि सकता है।
- **प्रतसिपरदधात्मकता बढ़ाना:** इसमें कंपनयिों की दकषता एवं नवाचार को बढ़ाना, उत्पादों एवं सेवाओं की गुणवत्ता एवं वविधिता में सुधार करना और घरेलू एवं अंतरराष्टरीय बाजारों का वसितार करना शामिल है। इससे आर्थिक गतशीलता को बढ़ावा मलि सकता है, नरियात बढ़ सकता है और नविश आकर्षति हो सकता है।
- **वत्तितीय और सामाजिक समावेशन में सुधार:** इसमें गरीबों और हाशिए पर रहने वाले समूहों के लयि वत्तितीय सेवाओं और सामाजिक कल्याण योजनाओं की पहुँच एवं सामर्थ्य का वसितार करना शामिल है। इससे उनकी आय, बचत और उपभोग के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य, शकिषा और सशक्तीकरण में सुधार हो सकता है।
- **शासन सुधार:** इसमें शासन की संस्थाओं और प्रक्रयिओं को सुदृढ करना शामिल है, जैसे वधि का शासन, जवाबदेही, पारदर्शति और भागीदारी। इससे सार्वजनिक वस्तुओं एवं सेवाओं के वतिरण में सुधार हो सकता है, भ्रष्टाचार कम हो सकता है और वशिवास एवं की वृद्धि हो सकती है।
- **हरति करांतिके अंतरगत अवसरों का लाभ उठाना:** इसमें नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दकषता और जलवायु प्रत्यास्थता जैसी हरति प्रौद्योगिकियिों और अभ्यासों को अपनाना और उन्हें बढ़ावा देना शामिल है। इससे गरीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम कयिा जा सकता है, पर्यावरणीय क्षति का शमन हो सकता है और वृद्धि एवं वकिस के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

आर्थिक वकिस से परे भारत के वकिस के लयि मुख्य वचिर-वषिय कौन-से हैं?

- वशि्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की चाहत भारत की सभी आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकेगी। हालाँकि भौतिक वकिस महत्त्वपूर्ण है, यह वर्ष 2047 तक के भारत के वभिनिन लक्ष्यों में से केवल एक है।
- वभिनिन आलोचक पारंपरिक आर्थिक वकिस मॉडल पर सवाल उठाते रहे हैं, जहाँ वे प्रगत और आधुनिकता संबंधी वचिरों को चुनौती देते हैं।
- यह उपयुक्त समय है कि 'वकिसति भारत' की अवधारणा पर पुनर्वचिर कयिा जाए और भारत के वकिस के अन्य महत्त्वपूर्ण पहलुओं को भी चतिन के दायरे में लाया जाए।

वचिर योग्य अन्य पहलू कौन-से हैं?

- **वकिस की इस यात्रा में खुशहाली (Happiness)** मुख्य लक्ष्य होना चाहयि। खुशहाली प्राप्त कयि बनिा वकिस का कोई अर्थ नहीं है। वडिंबना यह है कि दुनिया के कई देश वकिसति तो हो गये, लेकिन लोग खुश नहीं हैं।
 - 'वकिसति भारत' के बजाय 'खुशहाल भारत-वकिसति भारत' (Happy India-Developed India) का थीम अपनाया जाना चाहयि।
- समृद्ध राष्ट्र अनविर्य रूप से खुशहाल राष्ट्र नहीं हैं। समृद्ध देशों ने केवल सकल घरेलू उत्पाद और प्रतव्यकर्ता आय के वषिय में अच्छा प्रदर्शन कयिा है, लेकिन सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कल्याण संकेतकों के संदर्भ में वे बुरी तरह वफिल रहे हैं।
 - वकिस का यह दृष्टिकोण मानसिक स्वास्थ्य और सेहत की अनदेखी करता रहा है।
- **वैशविक खुशहाली रपिरट (World Happiness Report) 2023** से पता चलता है कि कई वकिसति देश खुशहाली के संकेतक पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं।
 - कुछ देशों ने दोनों ही स्थितियिों को संतुलति तरीके से हासलि कयिा है।
 - फनिलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और नीदरलैंड जैसे देश सबसे खुशहाल देश हैं। उन्होंने सामाजिक वधिदन की कीमत पर वकिस प्राप्त नहीं कयिा है।
 - इसके बजाय, उन्होंने सामाजिक संबंध और सहायता प्रणालियिों का नरिमाण कयिा है।
- भारत का मामला इसलयि भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि वशि्व की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद खुशहाली के मामले यह **37 देशों की सूची में 126वें स्थान** पर है।
 - वकिस और 'वकिसति भारत' का एजेंडा एक स्वप्न बनकर ही रह जाएगा यदि हम खुशहाली सूचकांक में बेहतर प्रदर्शन करने में वफिल रहें।

भारत के लयि खुशहाली-प्रेरति वकिस मॉडल का क्या महत्त्व है?

- भारत के लयि **खुशहाली-प्रेरति वकिस मॉडल (Happiness-Induced Development Model)** अत्यधिक प्रासंगिक है क्योंकि हम सामाजिक संबंधों और सांस्कृतिक अनविर्यताओं द्वारा उल्लेखनीय रूप से शासति होते हैं।
- इसके वषिरत, **केवल आर्थिक वकिस पर केंद्रति वर्तमान मॉडल हमारी सामाजिक व्यवस्था के लयि अत्यधिक वधिदनकारी है।**
 - वकिस का यह रूप वकिरों और अपराध को जन्म देता है। इस वकिस चक्र में जीवन के सभी पहलू एक साथ नहीं बदलते हैं, जसिसे असंतुलन और वरिधाभास उत्पन्न होते हैं।
 - ऐसी चीजें हमारे समाज में दखिाई दे रही हैं, जहाँ औद्योगिक एवं आर्थिक वकिस चतिाजनक रूप से बदल रहे हैं, लेकिन जीवन के गुणवत्ता संबंधी पहलू पछिड़ते जा रहे हैं।
- खुशहाली के मापन कई देशों में सार्वजनिक नीति के लक्ष्य बन गए हैं। खुशहाली अब कोई व्यक्तपिरक मामला नहीं रह गया है।

वकिस के खुशहाली-प्रेरति मॉडल को वकिस या प्रगत के साथ संलग्न करना:

- **मानव वकिस सूचकांक (HDI) को एकीकृत करना:** संकेतकों में **HDI** को वेटेज या महत्त्व दयिा जाए, जसिमें जीवन प्रत्याशा, शैक्षिक प्राप्ति और आय स्तर शामिल होते हैं। यह पारंपरिक आर्थिक संकेतकों से परे 'वेल-बीइंग' या सेहत/कल्याण का अधिक व्यापक मापन प्रदान करता है।
- **सामाजिक वकिस सूचकांक (SDI) का समावेशन:** सामाजिक वकिस के लयि संयुक्त राष्ट्र अनुसंधान संस्थान (UN Research Institute for

Social Development) के सामाजिक विकास सूचकांक को संलग्न करें, जिसमें 16 मुख्य संकेतक शामिल हैं। यह विभिन्न सामाजिक पहलुओं के संबंध में अंतरदृष्टि प्रदान कर सकता है, जिससे विकास की समग्र समझ में योगदान प्राप्त हो सकता है।

- 'ग्रीन इंडेक्स' को अपनाना: **वशिव बैंक के हरति सूचकांक (Green Index)** का उपयोग करें, जो उत्पादित परिसंपत्तियों, प्राकृतिक संसाधनों और मानव संसाधनों के आधार पर किसी देश की समृद्धिका मूल्यांकन करता है। यह **सतत विकास लक्ष्यों (SDGs)** के अनुरूप है और आर्थिक प्रगति एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के बीच संतुलन को दर्शाता है।
- अंतरराष्ट्रीय मानव पीड़ा सूचकांक पर विचार करना: मानव पीड़ा से संबंधित मापदंडों के आधार पर किसी देश की सेहत का आकलन करने के लिये अंतरराष्ट्रीय मानव पीड़ा सूचकांक (International Human Suffering Index) को एकीकृत करें। यह जीवन की समग्र गुणवत्ता पर एक सूक्ष्म परीरेक्षण प्रदान करता है।
- विविध सूचकांकों को संलग्न करना: **वैश्विक नवाचार सूचकांक**, **वधिका शासन सूचकांक**, **नरिधनता सूचकांक**, **भ्रष्टाचार बोध सूचकांक**, **लैंगिक समानता सूचकांक** और **वशिव प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक** जैसे विभिन्न सूचकांकों को शामिल किया जाए। इनमें से प्रत्येक सूचकांक विकास और खुशहाली के विशिष्ट पहलुओं को संबोधित करता है और एक अधिक व्यापक मूल्यांकन में योगदान देता है।
- खुशहाली और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना: एक समरूपित सूचकांक या संकेतकों का समूह स्थापित करें जो विशेष रूप से खुशहाली और कल्याण का मापन करते हैं। इसमें खुशहाल भारत (Happy India) की दृष्टि के अनुरूप मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और समग्र जीवन संतुष्टि जैसे कारक शामिल हो सकते हैं।
- नियमित नगिरानी और मूल्यांकन: चुने हुए सूचकांकों की नियमित रूप से नगिरानी और मूल्यांकन के लिये एक सुदृढ़ प्रणाली लागू करें। इससे सुनिश्चित होगा कि नीतियाँ और हस्तक्षेप दीर्घावधि में खुशहाली और कल्याण को बढ़ावा देने के लक्ष्य के अनुरूप हैं।
- खुशहाली के लक्ष्यों के साथ नीति संरेखण: राष्ट्रीय नीतियों और विकास रणनीतियों को खुशहाली से संबंधित चिह्नित सूचकांकों और लक्ष्यों के साथ संरेखित करें। यह सुनिश्चित करेगा कि सरकारी पहलें नागरिकों की भलाई में प्रत्यक्ष योगदान करेंगी।
- शैक्षिक एवं जागरूकता कार्यक्रम: खुशहाली और कल्याण को प्राथमिकता देने की दृष्टि में सांस्कृतिक बदलाव को बढ़ावा देने के लिये शैक्षिक कार्यक्रम एवं जागरूकता अभियान क्रियान्वित करना चाहिये। इसमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को कम करने, कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देने तथा सामाजिक संबंधों के महत्त्व पर बल देने संबंधी पहलें शामिल हो सकती हैं।

नषिकर्ष:

आर्थिक विकास के साथ-साथ खुशहाली और कल्याण को महत्त्व देने वाले समग्र दृष्टिकोण को अपनाकर भारत एक अधिक सतत एवं परंपूरणकारी विकास परक्षेप प्राप्त करने की आकांक्षा पाल सकता है।

अभ्यास प्रश्न: भारत के विकास मॉडल में एक प्रमुख संकेतक के रूप में खुशहाली (Happiness) को शामिल करने के महत्त्व की चर्चा कीजिये। खुशहाली-प्रेरित विकास मॉडल को देश के विकास दृष्टिकोण में किस प्रकार संलग्न किया जा सकता है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों वर्ष के प्रश्न

प्रश्न: संभावित सकल घरेलू उत्पाद (GDP) क्या है। इसके नरिधारकों की चर्चा कीजिये। उन कारकों का भी उल्लेख कीजिये जो भारत को अपनी संभावित सकल घरेलू उत्पाद प्राप्त करने में बाधा डालते हैं।